

## साँप और चीटी की कहानी – Short Story In Hindi With Moral

By - [storiesforkidsbedtime.com](http://storiesforkidsbedtime.com)

जंगल में तरह-तरह के जानवर रहा करते हैं। कुछ जानवर पेड़-पौधे खाते हैं और कुछ अन्य जानवरों को खाते हैं। एक जंगल में एक छोटा सा साँप अपने बिल में रहता था। वह चूहों, बतक आदि छोटे-छोटे जानवरों को खाता था। उसका डर बस छोटे जानवरों तक सिमित था। धीरे धीरे वह बड़ा होने लगा। अब शरीर बड़ा होने के साथ-साथ उसे ज्यादा खाना खाने की आवश्यकता थी। ऐसे में वह एक दिन में बहुत सारे छोटे जानवरों को खा जाता। वह साँप चिड़ियों को, चिड़ियों के अण्डों को, चूहे, खरगोश, बतख आदि अन्य जानवरों को खाया करता। खाने के बाद अपने बिल में घुस जाता और सोता रहता। जंगल के सारे जानवर उससे परेशान रहने लगे थे।

धीरे-धीरे समय निकलता गया और साँप का शरीर और भी बड़ा होता चला गया। अब उसे अपने बिल में घुसने में मुश्किल होती थी। कभी-कभी तो वह अपने बिल में फस जाया करता था। ऐसे में वह साँप दूसरे बिल की तालाश में इधर-उधर भटकने लगा। रेंगता हुआ वह एक बरगद के पेड़ के पास जा पहुँचा। उसने वह देखा की वह चींटियों ने बहुत ही बड़ा बिल बनाया था। साँप ने सोचा, “यह बिल मेरे लिए बहुत सही रहेगा। यह बड़ा भी है और मेरे शरीर के लिया उत्तम भी है।” यह सोचकर वह चींटियों के पास गया और उनसे बोला, “आज से मई इस बिल में रहूँगा तुम सब यहाँ से चले जाओ।”

Read More - [Short Stories](#)

बरगद का पेड़ बहुत ही बड़ा होता है जिसमें एक साथ बहुत से जानवर रह सकते हैं। इसीलिए उस बरगद के पेड़ में भी बहुत से जानवर पंछी रखा करते। लेकिन जब उन्होंने सुना की वह साँप यहाँ रहना कहता है तो वे सब डर गए। सबने सोचा के कैसे भी यह साँप यहाँ से चला जाए।

चींटियों ने जैसे ही साँप की बात सुनी तो वे गुस्सा हो गई और सबसे मिलकर एक साथ साँप पर हमला कर दिया। चींटियों ने साँप के शरीर को पूरा ढक लिया और वे सब साँप को काटने लगी। ऐसे में साँप छटपटाने लगा और तुरंत वहाँ से भाग गया। इस तरह से छोटी सी दिखने वाली चींटियों ने एक बड़े से साँप को भगा दिया। इसलिए कहते हैं न जो जैसा दीखता है वैसा होता नहीं। दूसरे के छोटे शरीर को देख यह नहीं सोच लेना चाहिए की वह करजोर है। एक छोटा सा चींटी एक बड़े से हाथी को आसानी से परेशान कर सकती है।